मूल्य/धर्मार्थ : 1 पैसा
(केवल बहाईयों में वितरण हेतु)

बहाई समाचारपत्र

वर्ष : 55 अंक 10 प्रकाशन : प्रत्येक माह की 8 तारीख
अक्टूबर 2019 बहाई वर्ष : 176

विश्व न्याय मन्दिर

समुदाय–निर्माण के कार्य में गहनता आने के साथ–साथ, मित्रगण अपने आस–पास के समाज की दशाओं को बेहतर बनाने के लिए अपनी नव–विकसित क्षमताओं का उपयोग करने लगे हैं, इस कार्य में उनका उत्साह दिव्य शिक्षाओं के अध्ययन से संदीप्त होता है।

–रिज़वान 2018

जमशेदपुर में पुस्तक–4 से सम्बंधित अभियान संपन्न

झारखण्ड में जमशेदपुर के बहाई केंद्र में रूही पुस्तक–4 से सम्बंधित चार दिवसीय राज्यस्तरीय अभियान का आयोजन 25 से 28 सितम्बर 2019 तक झारखण्ड की प्रशिक्षण संस्थान द्वारा किया गया। इस अभियान में महाद्वीपीय सलाहकार भी उपस्थित हुए तथा इस अभियान में झारखण्ड के 9 क्लस्टरों के 13 समुदायों से 43 मित्रों ने भाग लिया। इनमें नये एवं पुराने प्रतिभागी शामिल थे। इस अभियान का उद्देश्य आगामी द्वि–शताब्दी समारोह हेतु अधिक से अधिक मित्रों को महात्मा बाब एवं बहाउल्लाह की जीवनी से पुनः आत्मसात कराना, इस युग की महानता को जानना, द्वि–शताब्दी हेतु व्यवहारिक योजना तैयार करना, जमशेदपुर के विभिन्न समुदाय समूहों में गृह भ्रमण करना तथा इस कलस्टर को 1000 गतिविधियों से आगे ले जाना और जमशेदपुर के मित्रों द्वारा महात्मा बाब की द्वि–शताब्दी के लिए उपहार, इत्यादि था। हालाँकि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य गृह भ्रमण की संस्कृति को बढ़ाना एवं परिवारों को द्वि–शताब्दी हेतु तैयार करना था, परन्तु इसके विपरीत खराब मौसम एवं लगातार बारिश के कारण एक दिन ही जमशेदपुर के 7 समुदायों में गृह भ्रमण किया गया। इस दौरान 66 नई भक्तिपरक सभायें एवं 4 नयी बहाई बाल कक्षाओं की शुरुआत हुई, जिसकी सहायता से जमशेदपुर ने बाब के जन्मोत्सव पर 1000 गतिविधियों जमशेदपुर में स्थापित कर एक भेंट दी। गृह भ्रमण के दौरान बढ़ी गतिविधियों की सहायता से जमशेदपुर में कुल गतिविधियों की संख्या 1015 हो गयी हैं, जिसमें अध्यनवृत्त कक्षा 45, बहाई बाल कक्षा 100, किशोर समूह 58, भक्तिपरक सभायें 812, इनमें क्रमशः 346, 801, 395, 5039 प्रतिभागी हैं। साथ ही साथ स्थानीय मित्रों द्वारा इस योजना के अंत तक 2500 गतिविधियों के साथ कार्य करने की योजना तैयार की जिसमें 2000 भक्तिपरक सभायें होंगी। पूरे झारखण्ड में लगभग 6000 गतिविधियाँ संचालित की जायेंगी, जिसमें भक्तिपरक सभायें लगभग 5300 के लगभग होंगी। पुस्तक 4 की सहायता से मित्रों ने क्रमवार बाब, बहाउल्लाह की जीवनी को चित्रों की सहायता से स्पष्ट रूप से समझा



जमशेदपुर में आयोजित रूही पुस्तक–4 के अभियान में भाग लेने वाले प्रतिभागी

और व्यवहारिक रूप से मित्रों ने आपस में प्रस्तुति कर अभ्यास किया। अंतिम दिन अंतर्राष्ट्रीय शिक्षण केंद्र द्वारा प्राप्त जुलाई 2019 के परिपत्र का भी अध्यन्न किया गया, जिसमें द्वि–शताब्दी के पूर्व, दौरान एवं बाद में किये जाने वाले कार्यों का उल्लेख है। जिसके आधार पर यह योजना बनी की झारखण्ड में आगामी द्वि–शताब्दी का आयोजन 22 क्लस्टरों के 90 मोहल्लों, गलियों, टोलों में 2500 परिवारों के लगभग 10,000 आत्माओं के साथ मनाया जायेगा।

अगरतला में चार दिवसीय संस्थागत अभियान

त्रिपुरा में अगरतला बहाई भवन में 7 से 10 सितम्बर, 2019 तक चार दिवसीय संस्थागत अभियान का आयोजन किया गया। इस अभियान में महाद्वीपीय सलाहकार, ऑफिस ऑफ लर्निंग साइट–दक्षिणपूर्व एशिया के सदस्य, अगरतला लर्निंग साइट के रिसोर्स पर्सन, सभी सहायक मण्डल सदस्य, परिषद सदस्य, प्रशिक्षण संस्थान मण्डल के समन्वयक, संयोजक, क्लस्टर विकास संयोजक, पायनीयर्स और कुछ अन्य बहाईयों सहित लगभग 60 मित्रों ने भाग लिया।

इस अभियान का उद्देश्य –सर्वोच्च संस्था के महत्वपूर्ण दस्तावेजों का अध्ययन करना और क्लस्टर की वास्तविकताओं से सीखना, वर्तमान मित्रों के साथ क्लस्टर की सीख को साझा करना, भविष्य में विकास के लिए अगले चक्र में प्रयासों को व्यवस्थित करने के लिए क्लस्टरों की वास्तविकताओं का अध्ययन करने के लिए नई योजना बनाना, क्लस्टर में जैविक और निरंतर वृद्धि के लिए सीखना, योजना बनाना, कार्य और समीक्षा करने की संस्कृति बनाना तथा ट्यूटरों और अनुप्रेरकों की संख्या और उनकी क्षमता को बढ़ाना आदि था।



समूहों में अध्ययन करते हुए प्रतिभागी

इस अभियान के दौरान मित्रों ने, विश्व न्याय मन्दिर के 29 दिसम्बर 2015 और 3 मई 2018 के संदेश, 50 से 100 किशोरों को शामिल करने की क्षमता का विकास, प्रशिक्षण संस्थान – उच्च स्तरीय कार्य प्रणाली को प्राप्त करना और बहाई बच्चों की शिक्षा के कार्यक्रम को प्रणालीबद्ध करना आदि प्रपत्रों का भी अध्ययन किया गया। महाद्वीपीय सलाहकार ने उपस्थित मित्रों का अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर मार्गदर्शन किया उनके बारे में बताया। आगे आने वाले दिनों के लिए भी मित्रगणों ने अनेक योजनायें बनाई।



अगरतला में आयोजित अभियान के प्रतिभागी

इस अंक में

अली खाँ का हृदय परिवर्तन

निम्नलिखित कविता, नबील की शहीदों की गाथा से उद्धृत अली खाँ की कहानी का कविता रूपांतरण है। इशदूत बाब को माहकू के दुर्ग में अगस्त 1847 से अप्रैल 1848 तक कारावास में रखा गया था। यह कविता उस दुर्ग के रक्षक अली खाँ के हृदय परिवर्तन पर आधारित है।

अली खाँ की सुनो कहानी
होगी तुमको बहुत हैरानी
सुन्नी धर्म का था वह मानने वाला
दुर्ग का था वह सख्त रखवाला

बड़ी कठोर थी उसकी पहरेदारी
बाब से मिल ना पाए कोई, निभाता था वह ये जिम्मेदारी
था उसको स्वयं पर व्यर्थ अभिमान
बाब का नहीं करता था वह सम्मान

एक दिन घोड़े पर होकर सवार
जंगल से जा रहा था वह दुर्ग के द्वार
पास था नदी का किनारा और सूर्य था उदय होने वाला
पर सामने जो देखा उसने नजारा, हैरान हो गया वह बेचारा

देखा उसने बाब को अराक्सस नदी के तट
प्रार्थना में लीन, इस जग से अनासक्त
पहले आया क्रोध कि बाब बाहर कैसे आए
फिर भय से हाथ पैर कपकपाए

भागा वह तुरंत किले की ओर
घबराकर देखा उसने चहुँ ओर
अंदर बाहर का दरवाज़ा बंद पाया
उसको अपनी आंखों पर विश्वास नहीं आया

दिल को थामे, भय को संभाले
अली खाँ बाब के कक्ष में पधारे
पूरी विनम्रता से याचना की
संशय से मुक्त करें, ऐसी प्रार्थना की

बाब ने अली खाँ को समझाया
ईश्वर ने तुम्हारे नेत्रों से पर्दा है हटाया
तुमने नव धर्म की अवहेलना की
इसके प्रवर्तक की उपेक्षा की

पर दयालु भगवान ने तब भी कृपा की
तुम्हें दंड नहीं, अन्तर्दृष्टि दी
सत्य दिखलाने की चेष्टा की
इस धर्म की शक्ति को पहचानने की योग्यता दी

अली खाँ का दिल परिवर्तित हो गया
नवीन आस्था से वह भर गया
उसकी स्वच्छंदता लुप्त हो गई
उसकी आत्मा तृप्त हो गई

अब माहकू के खुले द्वार
बाब के अनुयायियों की लगी कतार
बाब के दर्शन के लिए जो आए
अली खाँ उनको अब रोक ना पाए

—ताहेरा जाधव, मध्यप्रदेश

मध्यप्रदेश की गतिविधियाँ

बदवार क्लस्टर :– बदवार क्लस्टर में स्थानीय मित्रों के सहयोग से एक बच्चों की बहाई बाल नैतिक कक्षा, किशोर कार्यक्रम एवं एक अध्ययनवृत्त कक्षा का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें सामुदायिक मुद्दों पर मिलकर परामर्श किया जाता है।

गोरगंज क्लस्टर :– भोपाल के पड़ोसी समुदाय गोहरगंज के



बदवार क्लस्टर में आयोजित किशोर आध्यात्मिक सशक्तिकरण कार्यक्रम के दौरान अध्ययन करते किशोर

मित्रों के साथ बहाई भवन भोपाल में तीन दिवसीय संस्थान अभियान सम्पन्न हुआ, जिसमें 13 प्रतिभागियों ने भाग लिया। यह मित्र वर्तमान में पुस्तक तीन 'बच्चों की बहाई बाल नैतिक कक्षा का संचालन करना' का अध्ययन कर रहे हैं, जल्द ही उनके गांव में बच्चों की कक्षा शुरू करने की योजना है।



गोरगंज क्लस्टर में आयोजित संस्थान अभियान के प्रतिभागी

आयोजन नियमित रूप से किया जा रहा है।

सुसेरा क्लस्टर :– सुसेरा क्लस्टर के चक्कगांव एवं बड़ापुरा में स्थानीय नाभिक की मदद से बच्चों की कक्षा एवं किशोर कार्यक्रम के साथ–साथ उनके अभिभावकों से अर्थपूर्ण वार्तालाप करने हेतु नियमित प्रार्थना सभाओं का



सुसेरा क्लस्टर में आयोजित की जा रही बच्चों की बहाई कक्षा में पढ़ने वाले बच्चे

कोट बेजा क्लस्टर का भ्रमण

महाद्वीपीय सलाहकार के साथ हुई बैठक के निर्णयानुसार यह योजना बनाई गई कि हिमाचल प्रदेश के कोट बेजा में द्विशताब्दी तक दूसरे मील के पत्थर पर कैसे पहुँचा जाये, इसके लिए वहाँ के नाभिक के साथ चर्चा करने के उद्देश्य से कोट बेजा में 24 सितम्बर 2019 को एक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक का आरम्भ प्रार्थनाओं के साथ किया गया, उसके उपरान्त क्लस्टर के वर्तमान आंकड़ों को प्रस्तुत किया गया। आंकड़ों को साझा किया गया। मित्रों ने योजना के सुझाव दिये जो एक सप्ताह में प्राप्त किये जा सकते हैं।

क्लस्टर में कुछ अन्य संभावनाएं हैं लेकिन परामर्श के बाद यह तय किया गया है कि अभी केवल एक सप्ताह के लिए योजना बनाई जायेगी। एक सप्ताह बाद मिलकर, पिछले सप्ताह बनाई गई योजना की समीक्षा के साथ अगले सप्ताह की योजना बनाई जायेगी।

यह भी निश्चित किया गया है



कोट बेजा में आयोजित बैठक में परामर्श करते हुए मित्रगण

देखने के बाद इस पर चर्चा हुई कि सलाहकार के अनुसार कोट बेजा में सांख्यिकीय आंकड़ों की तुलना में अधिक संभावनाएं हैं और अपने प्रयासों से वे द्विशताब्दी तक दूसरे मील के पत्थर पर पहुंच सकते हैं। सलाहकार द्वारा सुझाए गए सांख्यिकी मानदंडों को भी कि द्विशताब्दी तक चंडीगढ़ से एक टीम प्रत्येक सप्ताह आएगी ताकि वे समीक्षा कर सके और योजना बना सके। कोट बेजा के मित्रों ने क्लस्टर में हुए परिवर्तन के बारे में अपने अनुभव भी साझा किए।

राष्ट्रीय बहाई कार्यालय में सेवा के अवसर

प्रिय मित्रगण,

राष्ट्रीय बहाई केन्द्र में आईटी/आईएस में सेवा देने के लिए ऐसे मित्र की आवश्यकता है जिनके पास सम्बद्ध प्रशिक्षण और अनुभव हो :

<u>सूचना प्राद्योगिकी</u>

- कम्प्यूटर हार्डवेयर लगाना और उसकी देख–रेख करना, साथ में, सॉफ्टवेयर और नेटवर्किंग के काम की ज़िम्मेदारी भी।
- संस्था के कंप्यूटर को तकनीकी सहायता प्रदान करना।
- एम.एस. आउटलुक 2010/2013/2016 को लगाना और देख–भाल करना नियमित रूप से बैकअप लेना।
- डोमेन सर्वर फाइल सर्वर, शेयर प्वायंट, टैली, ई.आर.पी. और डी.एम.एस. का रख–रखाव
- विन्डोज़ आदि की व्यवस्था करना
- डाटाबेस तैयार करना और उसका रख–रखाव
- हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर और कंप्यूटर के रख–रखाव के लिये तकनीकी सहायता प्रदान करना।

इस रिक्त पद के निम्नांकित योग्यतायें अपेक्षित हैं :

- आवेदक को हिन्दी और अंग्रेजी में सम्वाद करने की क्षमता हो।
- आवेदक को कंप्यूटर का प्रारम्भिक ज्ञान हो।
- आवेदक को सीखने की इच्छा हो।
- सेवा के उस क्षेत्र में, जिसके लिये आवेदन किया जाये, आवेदक को अनुभव प्राप्त हो।
- विंडोज सर्वर 2008 आर2/2012 आर 2, विंडोज 7/विंडो 8.1/ विंडोज 10, विंडोज शेयरपॉइंट 2012/2016, मैकफी एंडपॉइंट, साइबर रोम फायरवॉल, सिस्को स्विचेस और राउटर एल3, एमएस एसक्यूएल, एमएस ऑफिस 2010–2016, सीपेनल/डब्ल्यूएचएम (लिनक्स), डॉट नेट, एचटीएमएल, पीएचपी, वर्डप्रेस।

उपरोक्त पद के लिये जो मित्र आवेदन करना चाहते हैं वे personnel@ibnc.in पर आवेदन कर सकते हैं। आवेदन की एक प्रति nsaindia@ibnc.in पर भी भेजें।

समाचारचित्र



असम के खटखटी क्लस्टर की सुश्री गुंजा सिंह और नगालैंड के लाहोरीजन क्लस्टर के श्री राजीव सिंह का विवाह 8 जुलाई, 2019 को बहाई विधिविधान के साथ सम्पन्न हुआ।



नगालैंड के लाहोरीजन क्लस्टर की सुश्री सुनीता राय और पोर्ट ब्लेयर, अंडमान के श्री ईश्वर राव का विवाह 5 अगस्त, 2019 को बहाई विधिविधान के अनुसार सम्पन्न हुआ।



मध्य प्रदेश में भोपाल के बहाई भवन में 25 अगस्त, 2019 को सहायक कोषाध्यक्षों की बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में कोष से संबंधित विश्व न्याय मन्दिर के 29 दिसम्बर, 2015 के संदेश का अध्ययन किया गया। सदस्यों से संबंधित क्लस्टर की वास्तविकता पर चर्चा की गई और उनके अनुभव भी साझा किए गए। कोषाध्यक्ष ने कोष का विवरण दिया। राज्य में कितने बहाई हैं और कितने मित्र अपना योगदान देते हैं इस पर चर्चा की गई। इसके लिए सदस्यों ने मित्रों की संख्या बढ़ाने के प्रयास करने का निर्णय लिया। साथ ही, प्रतिज्ञापत्र वितरित करने तथा और अधिक सहायक कोषाध्यक्ष नियुक्त करने का भी निर्णय लिया।

Regd. No. DELHIN / 1966 / 04204
New Delhi P.S.O.

Delhi Postal Regd No. DL (ND) 11/6036/2018-19-20
Licensed to post without pre-payment No. U (C)-52/2018-19-20

जून 2019 तक मूल–गतिविधियों के सांख्यिकी आंकड़े

क्षेत्रीय/राज्य बहाई परिषद	भक्तिपरक बैठकों की संख्या	भक्तिपरक बैठकों में उपस्थिति	बच्चों की बहाई कक्षाओं की संख्या	बच्चों की बहाई कक्षाओं में उपस्थिति	किशोर समूहों की संख्या	किशोर समूहों में उपस्थिति	स्टडी सर्कल की संख्या	स्टडी सर्कल में उपस्थिति	कुल मूल गतिविधियां	मूल गतिविधियों में कुल उपस्थिति
आंध्र प्रदेश+	195	750	45	322	23	164	3	14	266	1,250
असम+	223	673	64	605	15	150	16	73	318	1,501
बिहार	3,445	29,530	578	5,814	384	3,600	151	1,150	4,558	40,094
छत्तीसगढ़	616	2,594	62	614	50	450	11	74	739	3,732
गुजरात	395	2,505	91	1,048	59	537	33	201	578	4,291
झारखण्ड	1,141	9,366	213	1,691	142	983	92	677	1,588	12,717
कर्नाटक	80	405	21	206	11	99	9	25	121	735
केरल	288	1,199	73	551	13	57	18	130	392	1,937
मध्य प्रदेश	312	2,192	36	403	22	172	7	45	377	2,812
महाराष्ट्र+	7,478	41,638	690	8,317	607	6,507	186	1,260	8,961	57,722
मणिपुर+	214	677	29	255	14	84	7	34	264	1,050
ओडिशा	1,061	4,991	159	1,282	103	794	38	170	1,361	7,237
पंजाब+	242	1,684	101	985	154	1,211	24	111	521	3,991
राजस्थान	76	367	49	327	12	91	7	30	144	815
सिक्किम+	214	941	31	258	15	81	3	5	263	1,285
तमिलनाडु+	2,923	12,192	178	1,542	145	1,082	193	832	3,439	15,648
त्रिपुरा	282	1,717	95	818	46	304	38	143	461	2,982
उत्तर प्रदेश+	10,451	85,187	1,762	14,767	1,279	9,464	443	3,545	13,935	1,12,963
पश्चिम बंगाल	3,776	20,278	697	6,151	542	4,289	341	2,363	5,356	33,081
कुल	33,412	2,18,886	4,974	45,956	3,636	30,119	1,620	10,882	43,642	3,05,843

बहाई अंत्येष्टि–क्रिया के संबंध में बहाउल्लाह का विधान

बहाई अंत्येष्टि–क्रिया के विधानों का सिंहावलोकन और इनकी उपयुक्तता

अंत्येष्टि–क्रिया के लिये तैयारियाँ

मृतक की शव–यात्रा

मृतक के शव को नगर से एक घंटे से अधिक की यात्रा पर ले जाने से तुम्हें मना किया गया है, बल्कि दीप्त और शांत भाव के साथ उसे किसी निकट स्थल पर ही भूमिगत किया जाये।

(बहाउल्लाह, किताब–ए–अक़्दस, पारा 130)

प्रश्न : यह आदेश कि मृतक के शरीर को एक घंटे की यात्रा से अधिक दूरी पर न ले जाया जाये, स्थल और जल दोनों ही परिवहनों पर लागू होता है ?

उत्तर – यह आदेश जल और स्थल दोनों ही मार्गों से तय की गई दूरी पर लागू है : चाहे यह एक घंटा जहाज से हो या रेलमार्ग से। मतलब है एक घंटे के समय से, चाहे परिवहन का माध्यम कुछ भी हो। तथापि, शव को जितनी जल्दी भूमिगत किया जाए, उतना ही उपयुक्त और स्वीकार्य है।

(बहाउल्लाह, किताब–ए–अक़्दस प्रश्न और उत्तर नं. 16)

शरीर को किसी भी परिवहन के साधन से उस दूरी तक ले जाया जाये जो एक घंटे के अंदर हो।

(एक अनुयायी को शोगी एफेंदी की ओर से 5 अगस्त 1949 को लिखे पत्र से)

क्रमशः

सेवा का अवसर

दिल्ली के बहाई उपासना मन्दिर में प्रतिदिन हजारों आगंतुकों को प्रभावी ढंग से प्रभुधर्म का शिक्षण देने और प्रसार करने में अनेक स्वयंसेवक अपना सराहनीय योगदान दे रहे हैं। इसी क्रम को जारी रखने के लिए उपासना मन्दिर में स्वयंसेवकों की आवश्यकता है। जो मित्रगण एक से तीन महीने के लिए स्वयंसेवक के रूप में अपनी सेवायें देना चाहते हैं, वे कृपया bhowindia@ibnc.in / bhowindiavolunteerdesk@ibnc.in पर संपर्क करें।

कुल पृष्ठ संख्या–4

बहाई समाचारपत्र के स्वामित्व एवं अन्य विषयों से संबंधित फार्म – 4, नियम 8

समाचार का नाम : बहाई समाचारपत्र
रजि नं. : DELHIN / 1966 / 4204 यू नं. (C)-52/2018-19-20
डी.एल. DL (ND) 11/6036/2018-19-20
प्रकाशक का नाम : सुशील कुमार (भारतीय)
(बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–1)
प्रकाशन स्थान : बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–1

मुद्रक का नाम : सुशील कुमार (भारतीय)
बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–1
मुद्रण स्थान : श्री मंगलम प्रिंटर्स, एफ–25, ओखला औद्योगिक क्षेत्र, फेज़–1, नई दिल्ली–110020
उन व्यक्तियों के नाम जो समाचारपत्र स्वामी हों : राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभा को इसका स्वामित्व प्राप्त है, जो सोसायटीज़ एक्ट के अंतर्गत पंजीकृत है।

Licenced to post without Pre-Payment Posted at CPSO New Delhi on 10/11.10. 2019
Sender's Address:
6, Shrimant Madhavrao Scindia Marg.
New Delhi - 110 001 - INDIA

स्वामी, भारत के बहाईयों की राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभा, जो सोसायटीज एक्ट के अंतर्गत पंजीकृत है, के लिए प्रकाशक, मुद्रक : सुशील कुमार के द्वारा श्री मंगलम प्रिंटर्स, एफ–25, ओखला औद्योगिक क्षेत्र, फेज़–1, नई दिल्ली–110 020 से मुद्रित एवं बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–110 001 से प्रकाशित (सम्पादक : सुशील कुमार)